an>

Title: Need to include Saharanpur in Uttar Pradesh in National Capital Region.

श्री राघव लखनपाल (सहारनपुर) : अभी कुछ दिनों पूर्व केन्द्र सरकार के द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का विस्तार किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान आदि राज्यों के कुछ जनपदों को इसमें जोड़ा गया है। जिन नए जनपदों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जोड़ा गया है, उन सभी जनपदों विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के निवासियों को मेरी ओर से शुभकामनाएं। लेकिन जिन मानकों के आधार पर इन जनपदों का चयन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में किया गया है, उन मानकों के आधार पर सहारनपुर जनपद को भी इसमें जोड़ा जाना कहीं अधिक तर्कसंगत नजर आता है।

सहारनपुर का जनसंख्या घनत्व जहाँ 940 व्यक्ति प्रति स्क्वायर किलोमीटर है, वहीं मेरठ का 1347 व्यक्ति प्रति स्क्वायर किलोमीटर, गाजियाबाद का 3967 तो मुजफ्फरनगर का 1034 व्यक्ति प्रति स्क्वायर किलोमीटर है। अर्थात सहारनपुर जनपद में इन जनपदों की अपेक्षा जनसंख्या का घनत्व सबसे कम होने के कारण यहाँ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बसने की इच्छा रखने वाली जनता को अधिक मात्रा में बसाया जा सकता है।

जनपद सहारनपुर की साक्षरता दर 70.49 प्रतिशत है तो मुजफ्फरपुर की साक्षरता दर 69.12 प्रतिशत है। सहारनपुर का लिंग अनुपात दर 890/1000 है तो मुजफ्फरनगर 889/1000 है। जनपद सहारनपुर की जनसंख्या का उत्तर प्रदेश में प्रतिशत जहां 1.73 प्रतिशत है तो मुजफ्फरनगर का 2.7 प्रतिशत है।

इसके साथ ही सहारनपुर जनपद हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्यों को जोड़ने वाला जनपद है। अतः यदि सहारनपुर जनपद को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल किया जाता है तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का सीधा जुड़ाव इन तीनों राज्यों से हो सकता है। राजधानी दिल्ली से सहारनपुर की दूरी भी मात्र 166 किलोमीटर है जो इस क्षेत्र में शामिल किए गए अन्य जनपदों के आस-पास ही है।

सहारनपुर में पूर्व से ही आई.टी.सी., काष्ठ कला उद्योग, स्टार पेपर मिल्स, यूनिटेक मशीन्स एवं अन्य सुगर मिलें आदि अनेक उद्योग स्थापित हैं। ऐसे में यदि सहारनपुर को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से जोड़ा जाए तो यहाँ उद्योगों की स्थापना की अपार संभावनाएं बढ़ जाती हैं। यहाँ उद्योगों के लिए कच्चा माल भी आसानी से उपलब्ध हो जाता है। साथ ही कृषि आधारित उद्योग भी यहाँ बहुतायात में स्थापित हैं। सहारनपुर में विश्व प्रसिद्ध इस्लामिक शिक्षण संस्थान दारूल उलम एवं शक्तिपीठ माता शाकुम्भरी देवी का मंदिर भी स्थापित है जिस कारण इस जनपद का महत्व और भी बढ़ जाता है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जनहित में सहारनपुर जनपद को भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल किया जाए।